अनुक्रमांक / **Roll No.**

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें ।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : **5**

Total No. of Questions : **5**

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **4**

No. of Printed Pages : **4**

M2412012

हिंदी साहित्य

HINDI LITERATURE

प्रथम प्रश्न-पत्र

First Paper

समय : **3** घंटे] [पूर्णांक : **300**

Time : **3** Hours] [Total Marks : **300**

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

Instructions to the candidates :

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रश्न क्र. **2** से **5** तक में आंतरिक विकल्प हैं ।

   This question paper consists of *five* questions. *All* the questions have to be answered. Question Nos. **2** to **5** have an internal choice.

2. प्रश्न-पत्र के कुल अंक **300** हैं तथा निर्धारित समय **3** घंटे है । यदि अन्यथा नहीं दर्शाया गया है, तो सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका चयन आपने अपने आवेदन-पत्र में किया है । किसी अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा । सभी **पाँच** प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें, एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जायें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जायें ।

The total number of marks of the question paper is **300** and the time allotted is **3** hours. *All* questions carry equal marks, unless specifically stated otherwise. Answers should be written in the medium which you have chosen in your Application Form. No marks will be awarded, if the answer is written in any other medium. All the *five* questions must be answered. Questions should be answered exactly in order in which they appear in the question paper. Answers to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answers of other questions should be inserted between them.

3. प्रथम प्रश्न लघु उत्तरीय होगा जिसमें **20** अनिवार्य प्रश्न होंगे । प्रत्येक का उत्तर **एक** अथवा **दो** पंक्तियों में देना होगा ।

   The first question will be of short answer type consisting of **20** compulsory questions. Each one is to be answered in *one* or *two* lines.

4. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका अवश्य पालन करें ।

   Wherever word limit has been given, it must be adhered to.

1. निम्नलिखित प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर **एक** या **दो** पंक्तियों में दीजिए : 20×3=60

(A) अपभ्रंश को पुरानी हिंदी नाम किसने दिया ?

(B) अवधी भाषा में रचित **तीन** काव्य-ग्रंथों के नाम लिखिये ।

(C) 'गागर में सागर' किस कवि की कविता के लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(D) 'बेलि क्रिसन रुक्मिणी री' के रचयिता का नाम लिखिये ।

(E) 'हिंदी प्रदीप' पत्रिका के सम्पादक कौन थे ?

(F) राष्ट्रीय काव्यधारा के **तीन** कवियों के नाम लिखिये, जो म.प्र. के हों ।

(G) प्रगतिवाद का आधार कौनसी राजनीतिक विचारधारा है ?

(H) हिंदी साहित्य के काल-विभाजन का उल्लेख क्रमानुसार कीजिये ।

(I) 'छायावाद की बृहत्त्रयी' से क्या आशय है ?

(J) 'साहित्यालोचन' किसकी रचना है ?

(K) रीतिकालीन काव्य को किन-किन धाराओं में विभाजित किया गया है ?

(L) कविता में 'डिंगल' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ?

(M) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के मत में साधारणीकरण किसका होता है ?

(N) हिंदी के किन्हीं **तीन** प्रसिद्ध ललित निबंधकारों के नाम लिखिये ।

(O) 'आत्मनेपद' किसकी रचना है ?

(P) भारतेन्दु युग के पूर्व के **तीन** गद्यकारों के नाम लिखिये ।

(Q) आदिकाल के अन्य **तीन** नाम लिखिये ।

(R) रीतिकाल को शृंगारकाल किस आचार्य ने कहा है ?

(S) हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहासकार कौन है ?

(T) हिंदी के **तीन** कहानी-आन्दोलनों के नाम लिखिये ।

2. बुन्देली का परिचय देते हुए उसके साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालिये । 60

अथवा

देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता पर विचार करते हुए उसके दोष निवारण के सुझाव दीजिये ।

3. 'हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास' विषय पर निबंध लिखिये । 60

अथवा

ब्रजभाषा का परिचय देते हुए मध्यकालीन साहित्य में उसके योगदान का मूल्यांकन कीजिये ।

4. 'छायावाद द्विवेदीयुगीन इतिवृत्तात्मकता के विरुद्ध सशक्त अभिव्यक्ति है ।' इस कथन के परिप्रेक्ष्य में छायावाद की विशेषताएँ लिखिये । 60

अथवा

'आंचलिकता' का अर्थ स्पष्ट करते हुए रेणु के कथा-साहित्य का मूल्यांकन कीजिये ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर, प्रत्येक पर लगभग **200** शब्दों में, टिप्पणियाँ लिखिए : 4×15=60

(A) मोहन राकेश के नाटक

(B) हिंदी आलोचना और रामचंद्र शुक्ल

(C) हिंदी के प्रयोगशील उपन्यास

(D) हिंदी साहित्य की समृद्धि में संस्मरण एवं रेखाचित्र का योगदान

(E) हिंदी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा

(F) रीतिमुक्त काव्य-परम्परा ।

अनुक्रमांक / **Roll No.**

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें ।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : **5**

Total No. of Questions : **5**

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **7**

No. of Printed Pages : **7**

M2422012

हिंदी साहित्य

HINDI LITERATURE

द्वितीय प्रश्न-पत्र

Second Paper

समय : **3** घंटे] [पूर्णांक : **300**

Time : **3** Hours] [Total Marks : **300**

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

Instructions to the candidates :

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रश्न क्र. **2** से **5** तक में आंतरिक विकल्प हैं ।

   This question paper consists of *five* questions. *All* the questions have to be answered. Question Nos. **2** to **5** have an internal choice.

2. प्रश्न-पत्र के कुल अंक **300** हैं तथा निर्धारित समय **3** घंटे है । यदि अन्यथा नहीं दर्शाया गया है, तो सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका चयन आपने अपने आवेदन-पत्र में किया है । किसी अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा । सभी **पाँच** प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें, एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जायें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जायें ।

The total number of marks of the question paper is **300** and the time allotted is **3** hours. *All* questions carry equal marks, unless specifically stated otherwise. Answers should be written in the medium which you have chosen in your Application Form. No marks will be awarded, if the answer is written in any other medium. All the *five* questions must be answered. Questions should be answered exactly in order in which they appear in the question paper. Answers to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answers of other questions should be inserted between them.

3. प्रथम प्रश्न लघु उत्तरीय होगा जिसमें **20** अनिवार्य प्रश्न होंगे । प्रत्येक का उत्तर **एक** अथवा **दो** पंक्तियों में देना होगा ।

   The first question will be of short answer type consisting of **20** compulsory questions. Each one is to be answered in *one* or *two* lines.

4. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका अवश्य पालन करें ।

   Wherever word limit has been given, it must be adhered to.

1. निम्नलिखित प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर **एक** या **दो** पंक्तियों में दीजिए : 20×3=60

(A) सूर के काव्य में उद्धव-गोपी संवाद को "भ्रमरगीत" क्यों कहा जाता है ?

(B) दीनदयाल विरुद संभारी । हरहु नाथ मम संकट भारी ॥

उक्त पंक्ति किसके द्वारा कही गयी है ?

(C) "पियसन कहेउ संदेसड़ा हे भौंरा हे काग ।
सो धनि विरहै जरि मुई तेहिक धुआ हम्ह लाग ।"

– इन पंक्तियों का अर्थ लिखिये ।

(D) "हिन्द्रि तुंग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती" – गीत के रचयिता कौन हैं ?

(E) "प्रगतिशील लेखक संघ" के प्रथम अध्यक्ष का नाम लिखिये ।

(F) मैथिलीशरण गुप्त की किन्हीं **तीन** काव्यकृतियों के नाम लिखिये ।

(G) माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा सम्पादित पत्र का नाम लिखिये ।

(H) "पलकों का नव पलकों पर प्रथमोत्थान पतन" – यह पंक्ति किस कविता की है ?

(I) 'नदी के द्वीप' कविता में 'नदी' और 'द्वीप' क्रमशः किसके प्रतीक हैं ?

(J) 'मुक्तिबोध' का पूरा नाम लिखिये ।

(K) 'गोदान' में वर्णित ग्राम्य कथा के किन्हीं **तीन** पात्रों के नाम लिखिये ।

(L) 'मैला आँचल' की कथा किस प्रदेश के किस अंचल से संबंधित है ?

(M) आ. रामचन्द्र शुक्ल द्वारा प्रस्तुत कविता की परिभाषा लिखिये ।

(N) कबीर को "भाषा का डिक्टेटर" किसने कहा है ?

(O) कुबेरनाथ राय के **तीन** निबंध संकलनों के नाम लिखिये ।

(P) 'वापसी' कहानी में चित्रित समस्या का उल्लेख कीजिये ।

(Q) महादेवी वर्मा द्वारा काव्य के अतिरिक्त अन्य किन विधाओं में साहित्य-रचना की गयी है ? किन्हीं **तीन** विधाओं का उल्लेख कीजिये ।

(R) सूरदास किस सम्प्रदाय के कवि थे ?

(S) 'चंद्रगुप्त' नाटक में कार्नेलिया किसकी पुत्री थी और मूलत: किस देश की थी ?

(T) आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध-शैली की **तीन** विशेषताएँ लिखिये ।

2. (अ) निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की **200** शब्दों में ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : $2\times15=30$

(*i*) हमारे हरि हारिल की लकरी ।

मन बच क्रम नंदनंदन सों उर यह दृढ़ करि पकरी ॥

जागत, सोबत, सपने सौंतुख कान्ह-कान्ह जकरी ।

सुनतहि जोग लगत ऐसो अलि ! ज्यों करुई ककरी ॥

सोई व्याधि हमें लै आए देखी सुनी न करी ।

यह तौ सूर तिन्हैं लै दीजै जिनके मन चकरी ॥

(*ii*) है अमा-निशा; उगलता गगन घन अन्धकार;

खो रहा दिशा का ज्ञान; स्तब्ध है पवन-चार;

अप्रतिहत गरज रहा पीछे, अम्बुधि विशाल;

भूधर ज्यों ध्यान-मग्न; केवल जलती मशाल ।

स्थिर राघवेन्द्र को हिला रहा फिर-फिर संशय

रह-रह उठता जग-जीवन में रावण-जय-भय;

(*iii*) सतगुरु की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार ।

लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार ॥

कबीर सूता क्यों करै, उठि न रोवै दुक्ख ।

जाका बासा गोर मैं, सो क्यूँ सोवे सुक्ख ॥

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की **200** शब्दों में ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 2×15=30

(*i*) हमीं को खेती से क्या मिलता है ? एक आने नफरी की मजूरी भी तो नहीं पड़ती । जो दस रुपए महीने का भी नौकर है, वह भी हमसे अच्छा खाता-पहनता है, लेकिन खेतों को छोड़ा तो नहीं जाता । खेती छोड़ दें तो और करें क्या ? नौकरी कहीं मिलती है ? फिर मरजाद भी तो पालना ही पड़ता है । खेती में जो मरजाद है वह नौकरी में तो नहीं है ।

(*ii*) मेरा साम्राज्य करुणा का था, मेरा धर्म प्रेम का था । आनन्द-समुद्र में शांति-द्वीप का अधिवासी ब्राह्मण मैं, चन्द्र-सूर्य--नक्षत्र मेरे दीप थे, अनन्त आकाश वितान था, शस्यश्यामला कोमला विश्वम्भरा मेरी शय्या थी । बौद्धिक विनोद कर्म था, सन्तोष धन था । उस अपनी ब्राह्मण की जन्मभूमि को छोड़कर कहाँ आ गया, सौहार्द्र के स्थान पर कुचक्र, फूलों के प्रतिनिधि काँटे, प्रेम के स्थान में भय ।

(*iii*) संसार से तटस्थ रहकर शांति-सुखपूर्वक लोक व्यवहार-सम्बन्धी उपदेश देने वालों का उतना अधिक महत्त्व हिन्दू धर्म में नहीं है जितना संसार के भीतर घुसकर उसके व्यवहारों के बीच सात्विक विभूति की ज्योति जगाने वालों का है । हमारे यहाँ उपदेशक ईश्वर के अवतार नहीं माने गए हैं । अपने जीवन द्वारा कर्मसौन्दर्य संघटित करने वाले ही अवतार कहे गए हैं । कर्म सौन्दर्य के योग से उनके स्वरूप में इतना माधुर्य आ गया है कि हमारा हृदय आप से आप उनकी ओर खिंचा पड़ता है ।

3. आधुनिक सन्दर्भ में कबीर और तुलसीदास की प्रासंगिकता पर विचार करते हुए अपना अभिमत स्पष्ट कीजिये । 60

अथवा

'कुकुरमुत्ता' कविता में व्यक्त निराला की विचारधारा का परिचय दीजिये ।

अथवा

"अज्ञेय नयी कविता के शलाका पुरुष हैं ।" इस कथन के आधार पर अज्ञेय की कविता की विशेषता बताइये ।

4. 'गोदान' और 'मैला आँचल' में प्रस्तुत ग्रामीण परिवेश की यथार्थ अभिव्यक्ति का सम्यक् मूल्यांकन कीजिये । 60

अथवा

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की निबंध कला की विशेषताएँ लिखिये ।

अथवा

नाट्य तत्वों के आधार पर 'चंद्रगुप्त' की समीक्षा करते हुए, उसकी अभिनेयता पर अभिमत प्रस्तुत कीजिये ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर प्रत्येक पर लगभग **200** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4×15=60

(A) हिंदी साहित्य का स्वर्ण-युग

(B) तुलसी : लोकनायक के रूप में

(C) सुभद्राकुमारी चौहान की राष्ट्रीय चेतना

(D) असाध्य वीणा का काव्य-सौन्दर्य

(E) 'वापसी' कहानी का रचना-शिल्प

(F) मैथिलीशरण गुप्त : भारतीय संस्कृति के आख्याता ।